

Exam dt: 03-10-21 (M)

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 32
Number of Pages in Booklet : 32
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150
Paper Code : 45
Sub: Philosophy-I

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /
Question Paper Booklet No.

50
11/10/21

APCE-12

8283005

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

Paper - I

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी वह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
6. OMR उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल प्वाइंट पेन से विवरण भरें।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

चेतावनी: अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with blue ball point pen only.
7. 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 Marks can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning: If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

45-□



1. प्रमा के 'अनधिगतता' लक्षण की आलोचना किस दार्शनिकने की है ?

- (1) वात्स्यायन
- (2) शालिकनाथ
- (3) धर्मोत्तराचार्य
- (4) जयन्त

2. रसेल के परिचयात्मक ज्ञान (Knowledge by acquaintance) की तुलना किस प्रमाण व्यवस्था से की जा सकती है ?

- (1) बौद्ध प्रमाण व्यवस्था
- (2) जैन प्रमाण व्यवस्था
- (3) चार्वाक प्रमाण व्यवस्था
- (4) इनमें से कोई नहीं

3. न्याय-दर्शन के अनुसार ध्वनि का प्रत्यक्ष कौन से इन्द्रिय-सन्निकर्ष से होता है ?

- (1) संयोग
- (2) समवाय
- (3) संयुक्त-समवाय
- (4) समवेत-समवाय

4. 'तत्रेन्द्रियाजन्यं सुखादि प्रत्यक्षम्' कौन सा दर्शन स्वीकार करता है ?

- (1) वेदान्त
- (2) जैन
- (3) बौद्ध
- (4) योग

5. जिन वाक्यों से स्तुति, निंदा, प्रकृति आदि अभिव्यक्त होती है, कहलाते हैं :

- (1) विधि वाक्य
- (2) सिद्धार्थक वाक्य
- (3) अर्थवाक्य
- (4) विधायक वाक्य

1. 'Anadhigatata' of Prama is criticised by

- (1) Vatsyayan
- (2) Shalikhath
- (3) Dharmottarachaya
- (4) Jayant

2. Which 'Pramaan-system' could be compared with Russel's knowledge by acquaintance' ?

- (1) Bauddh system
- (2) Jain system
- (3) Charvak system
- (4) None of these

3. By which 'Indriya-sannikarsh' according to Nyaya, sound perception is created ?

- (1) Samyoga
- (2) Samvaya
- (3) Sanyukt-Samavaya
- (4) Samvet Samavaya

4. 'Tatrendriyajany sukhadi pratyaksham' is accepted by

- (1) Vedanta
- (2) Jain
- (3) Bauddha
- (4) Yoga

5. The statement in which praise, condemnation, prakriti are described are following

- (1) Vidhi
- (2) Siddharthak
- (3) Arth
- (4) Vidhayak

6. माध्वाचार्य ने प्रामाण्यवाद को कितनी कोटियों में बाँटा है ?
- (1) एक
 - (2) दो
 - (3) तीन
 - (4) चार
7. निम्न में से पद व वाक्य के संबंध का कौन सा सिद्धांत प्रभाकर को मान्य है ?
- (1) अन्विताभिधानवाद
 - (2) अभिहितान्वयवाद
 - (3) समुच्च्यवाद
 - (4) तात्पर्यवाद
8. कौन सा मत भाषा की इकाई 'पद' को स्वीकार करता है ?
- (1) प्रभाकर मत
 - (2) भाट्ट मत
 - (3) मुरारी मत
 - (4) ये सभी
9. कुमारिल के अनुसार शक्ति रजत के रूप में दृष्टिगोचर होती है, क्योंकि
- (1) ऐसा विशुद्ध रूप से मनोवैज्ञानिक कारकों के कारण होता है ।
 - (2) प्रतीतियाँ परम सत् से रहित हैं और सापेक्षिक हैं ।
 - (3) ऐसा दो असम्बन्धित अपूर्ण संज्ञानों के सकारात्मक त्रुटिपूर्ण संश्लेषण (संसर्ग) के कारण होता है ।
 - (4) ऐसा अकसर तब होता है जब हम जल्दी में होते हैं ।

6. In how many categories, 'Pramanyvaad' has been classified by Madhvacharya ?
- (1) One
 - (2) Two
 - (3) Three
 - (4) Four
7. Which relation between Term and Sentence is held by Prabhakar ?
- (1) Anvitabhidhanvad
 - (2) Abhithitanvayvad
 - (3) Samuchayavada
 - (4) Taatparyavada
8. Which doctrine holds Term as a unit in language ?
- (1) Prabhakar
 - (2) Bhatta
 - (3) Murari
 - (4) All of these
9. According to Kumarila the shell is appearing as silver because
- (1) it is caused by purely Psychological Factors.
 - (2) appearances are devoid of ultimate reality and relative.
 - (3) it is caused by positive wrong synthesis of two unrelated imperfect cognitions.
 - (4) it generally happens when we are in hurry.



10. कौन सा दर्शन अनुपलब्धि को स्वतन्त्र प्रमाण स्वीकार करता है ?

- (1) चार्वाक
- (2) न्याय
- (3) बौद्ध
- (4) शंकर-वेदान्त

11. न्याय दर्शन के अनुसार पूर्णतः सिद्ध योगी जिन्हें शाश्वत व सिद्ध ज्ञान है, कहलाते हैं :

- (1) युक्त
- (2) युञ्जान
- (3) सिद्ध
- (4) केवली

12. धर्मकीर्ति के अनुसार अपने विषय के पश्चात् विषय के सहकारी, समनन्तर प्रत्यय रूप ज्ञान से उत्पन्न होने वाले ज्ञान को कहते हैं

- (1) इन्द्रिय-ज्ञान
- (2) मनोविज्ञान
- (3) आत्म संवेदन
- (4) यौगिक ज्ञान

13. न्याय दर्शन के अनुसार यह अनुमान-अग्नि शीतल है क्योंकि यह द्रव्य है - भ्रान्तिजनक है क्योंकि

- (1) हेतु विरुद्ध है ।
- (2) हेतु व्यभिचारी (अनैकान्तिक) है ।
- (3) हेतु आश्रयासिद्ध है ।
- (4) हेतु अनुमान से नहीं अन्य प्रमाण से बाधित है ।

14. ज्ञान के हेतु के रूप में अधिपति किसे कहा गया है ?

- (1) प्रकाश
- (2) इन्द्रिय
- (3) चित्त
- (4) विज्ञान

10. As a separate source of knowledge Anuplabdhi is accepted by

- (1) Charvaka
- (2) Nyaya
- (3) Bauddha
- (4) Shankar-Vedanta

11. The entirely accomplished yogi who has eternal and accomplished knowledge according to Nyaya is called

- (1) Yukt
- (2) Yunjaan
- (3) Siddh
- (4) Kevali

12. The associated, parallel, conceptual form knowledge which comes after the knowledge of the subject, according to Dharmkirti is

- (1) Sensual
- (2) Psychology
- (3) Self sensation
- (4) Yogic knowledge

13. According to Nyāya the inference-fire is cold because it is a substance – is fallacious because

- (1) middle term is contradictory.
- (2) middle term is irregular.
- (3) middle term has no real locus.
- (4) middle term is non-inferentially contradicted.

14. Which of the following instrument of knowledge has been called as adhipati ?

- (1) Light
- (2) Senses
- (3) Chitta
- (4) Vījan

15. उपमान प्रमाण के लिए किसने कहा है
“सादृश्यप्रमाकरणमुपमानम्” ?

- (1) कपिल
- (2) वात्स्यायन
- (3) शबर
- (4) धर्मराज ध्वरीन्द्र

16. विरोधी या व्याघाती वाक्य की व्याख्या हेतु किस
अर्थापत्ति का सहारा लिया जाता है ?

- (1) दृष्टार्थापत्ति
- (2) अभिहितानुपपत्ति
- (3) अभिधानानुपपत्ति
- (4) श्रुतानुपपत्ति

17. जैन दर्शन के अनुसार :

- (1) चेतना गुण से संयुक्त शरीर ही आत्मा है ।
- (2) आत्मा संज्ञानों का एक प्रवाह है ।
- (3) आत्मा एक अपरिवर्तनशील एवं
स्वप्रकाश्य चेतना है ।
- (4) आत्मा का अनिवार्य स्वभाव (स्वरूप)
चेतना है ।

18. सांख्य दर्शन का ख्याति सिद्धान्त कौन सा
बतलाया गया है ?

- (1) असत्ख्यातिवाद
- (2) विवेकख्यातिवाद
- (3) विपरीतख्यातिवाद
- (4) सद्ख्यातिवाद

19. वेदान्त मत के अनुसार पद व अर्थ के संबंध को
कहते हैं

- (1) वृत्ति
- (2) गुण
- (3) हेतु
- (4) ये सभी

15. Who define upmaan as ‘Sadrasya
pramakaran-upmanam’ ?

- (1) Kapil
- (2) Vatsyayan
- (3) Shabar
- (4) Dharmraaj Dhwarendra

16. Which form of Arthapatti is used
to explain a contary or
contradictory statement ?

- (1) Drastharthapatti
- (2) Abhithanupapatti
- (3) Abhidhananupapatti
- (4) Shrutanupapatti

17. According to Jainism

- (1) Self is the living body with
the attitude of consciousness.
- (2) Self is a series of cognitions.
- (3) Self is one unchanging and
self-shining consciousness.
- (4) Self is essentially constituted
of consciousness.

18. Which of the following form of
khyativad is held by Samkhya ?

- (1) Asatkhyativad
- (2) Vivekkhayativad
- (3) Vipritkhyativad
- (4) Sadkhyativad

19. In Vedanta, the relation between
term and sentence is called

- (1) Vritti
- (2) Guna
- (3) Hetu
- (4) All of these

20. न्याय दर्शन के अनुसार 'पद' सूचित करते हैं

- (1) व्यक्ति को
- (2) आकृति को
- (3) जाति को
- (4) इन सभी को

21. भारतीय तर्कशास्त्र की विषयवस्तु है

- (1) अनुमान
- (2) प्रामाण्यवाद
- (3) ख्यातिवाद
- (4) ये सभी

22. न्याय एवं बौद्ध दर्शन यह विश्वास करने में एक मत है कि

- (1) ज्ञान आन्तरिक दृष्टि से अवैध है और बाह्य दृष्टि से वैध।
- (2) ज्ञान आन्तरिक और बाह्य दृष्टि से वैध है।
- (3) ज्ञान बाह्य दृष्टि से वैध है।
- (4) ज्ञान बाह्य दृष्टि से वैध है एवं आन्तरिक दृष्टि से न तो वैध है और न ही अवैध।

23. व्याप्ति स्मरण सहित हेतु ज्ञान अनुमान है, कथन मिलता है

- (1) न्याय-सार
- (2) न्याय-मंजरी
- (3) न्याय-बिन्दु
- (4) तर्क-संग्रह

24. बौद्ध तर्कशास्त्र के प्रणेता कहलाते हैं

- (1) दिग्नाग
- (2) वसुबन्धु
- (3) नागार्जुन
- (4) धर्मकीर्ति

20. In Nyaya-system, a Term denotes

- (1) Individual
- (2) Figure
- (3) Class
- (4) All of these

21. The subject-matter of Indian Logic is

- (1) Anuman
- (2) Pramanyavada
- (3) Khyativad
- (4) All of these

22. Nyaya and Buddhist philosophy are unanimous in believing that

- (1) Knowledge is intrinsically invalid and externally valid.
- (2) Knowledge is intrinsically and externally valid.
- (3) Knowledge is externally valid.
- (4) Knowledge is externally valid and intrinsically neither valid nor invalid.

23. Anuman is the knowledge of Hetu combined with the memory of Vyapti is defined in

- (1) Nyaya-Sar
- (2) Nyaya-Manjari
- (3) Nyaya-Bindu
- (4) Tark-Samgrah

24. The founder of the Buddhist logic is considered

- (1) Dingnaag
- (2) Vasubandhu
- (3) Nagarjuna
- (4) Dharmkirti

25. अनुमान व अनुमिति में अन्तर को स्वीकार नहीं करते
- (1) धर्मकीर्ति
 - (2) अन्नभट्ट
 - (3) दिङनाग
 - (4) गंगेश
26. जैन तर्कशास्त्र का आरम्भ किस दार्शनिक से माना जाता है ?
- (1) अकलंक
 - (2) सिद्धसेन
 - (3) हेमचन्द्र
 - (4) हेमभद्र
27. व्याप्ति विशिष्ट पक्षधर्मता ज्ञान से उत्पन्न होने वाले ज्ञान को कहते हैं
- (1) अनुमान
 - (2) अनुमिति
 - (3) पक्षधर्मता
 - (4) व्याप्ति
28. भारतीय नीतिशास्त्र में संकल्प के तीन सोपान माने गए हैं । निम्नलिखित में से किसमें इन सोपानों के घटित होने का सही क्रम दर्शाया गया है ?
- (1) कार्यताज्ञान, चिकीर्षा, कृति
 - (2) चिकीर्षा, कृति, कार्यताज्ञान
 - (3) कृति, चिकीर्षा, कार्यताज्ञान
 - (4) चिकीर्षा, कार्यताज्ञान, कृति
29. किस दार्शनिक की व्याप्ति की परिभाषा को 'सिद्धान्त-लक्षण व्याप्ति' कहा जाता है ?
- (1) गंगेश
 - (2) गौतम
 - (3) पार्थसारथी
 - (4) माणिक्य नन्दी

25. Who of the following does not accept the difference between 'Anuman' and 'Anumiti' ?
- (1) Dharmkirti
 - (2) Annabhata
 - (3) Dingnaag
 - (4) Gangesh
26. Who is considered to be the founder of Jain logic ?
- (1) Akalank
 - (2) Sidhsen
 - (3) Hemchandra
 - (4) Hembhadra
27. The knowledge produced by 'Vyaptivishist-pakshadharmata' is called
- (1) Anuman
 - (2) Anumiti
 - (3) Paksha-dharmata
 - (4) Distribution (Vyapti)
28. Three steps of resolution have been considered in Indian ethics. Which of the following shows the correct sequence of occurrence of these steps ?
- (1) Karytajān, Chikeersha, Kriti
 - (2) Chikeershā, Kriti, Karytajān
 - (3) Kriti, Chikeershā, Karytajān
 - (4) Chikeershā, Karytajān, Kriti
29. Which thinker has defined Vyapti as Siddant Lakshan Vyapti ?
- (1) Gangesh
 - (2) Gautam
 - (3) Parthasarathi
 - (4) Manikya Nandi

30. बौद्ध दर्शन के अनुसार, 'पुद्गलनैरात्म्य' सिद्धान्त का अर्थ है

- (1) केवल एक शाश्वत आध्यात्मिक द्रव्य की स्वीकारोक्ति एवं भौतिक द्रव्य का निषेध
- (2) शाश्वत द्रव्य का निषेध, आध्यात्मिक के अतिरिक्त भौतिक भी
- (3) भौतिक द्रव्य की स्वीकारोक्ति एवं आध्यात्मिक द्रव्य का निषेध
- (4) परम सत्ता की स्वीकारोक्ति

31. रामानुज के कारण सिद्धान्त को जाना जाता है

- (1) विवर्तवाद
- (2) प्रकृति परिणामवाद
- (3) ब्रह्म परिणामवाद
- (4) असत् कार्यवाद

32. 'भूयो दर्शन' का तात्पर्य है

- (1) भूमि दर्शन
- (2) बार-बार निरीक्षण
- (3) भाव का होना
- (4) अभाव का दर्शन

33. व्याप्ति ग्रहण के साधन के रूप में किसने 'व्यभिचार ज्ञान रहित सहचार दर्शन' को माना है ?

- (1) गौतम
- (2) गंगेश
- (3) ईश्वरकृष्ण
- (4) उदयन

34. मीमांसा दर्शन का मुख्य उद्देश्य है :

- (1) ब्रह्मसूत्र की प्रामाणिकता स्थापित करना ।
- (2) वेदों की प्रामाणिकता स्थापित करना ।
- (3) त्रिपिटकों की प्रामाणिकता स्थापित करना ।
- (4) भगवद्गीता की प्रामाणिकता स्थापित करना ।

30. What is the meaning of the theory "Pudgalnairatāmāyā", according to Buddhist Philosophy ?

- (1) Acceptance of only one eternal spiritual substance and prohibition of material substance.
- (2) Prohibition of eternal substance. In addition to the spiritual, also the material.
- (3) Acceptance of material substance and prohibition of spiritual substance.
- (4) Acceptance of ultimate reality.

31. Ramanuja's theory of causation is known as

- (1) Vivartavāda
- (2) Prakritiparināmavāda
- (3) Brahma parināmavāda
- (4) Asatkāryavada

32. 'Bhuyo-Darshan' means

- (1) To perceive Earth
- (2) Repeated observation
- (3) To be in existence
- (4) To visualize Abhava

33. Who included 'violation-lens association' as a characteristic to establish distribution (Vyapti) ?

- (1) Gautam
- (2) Gangesh
- (3) Ishwarkrishna
- (4) Udayan

34. The main objective of mimāmsā system is

- (1) to establish the authority of the Brahminsutras.
- (2) to establish the authority of the Vedas.
- (3) to establish the authority of the Tripitakas.
- (4) to establish the authority of the Bhagwad Gita

35. भारतीय नीतिशास्त्र के अनुसार जो पुरुषार्थ राजनीतिक मूल्यों में सम्मिलित हैं, वे हैं
- (1) अर्थ तथा काम
 - (2) धर्म, अर्थ तथा काम
 - (3) धर्म तथा अर्थ
 - (4) धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष
36. अर्थापत्ति वैध ज्ञान का एक स्वतंत्र प्रमाण है क्योंकि
- (1) वेदों की ऐसी इच्छा है।
 - (2) यह अभाव (अनुपलब्धि) का ज्ञान कराता है
 - (3) प्रत्यक्षतः दो विरोधी दिखाई देने वाले तथ्यों में सामंजस्य करता है।
 - (4) दो वस्तुओं के बीच सादृश्य का ज्ञान इसके द्वारा होता है।
37. पक्ष की परिभाषा "संदिग्ध साध्यधर्मा धर्मी पक्षः" मिलती है
- (1) अद्वैतसिद्धि
 - (2) तर्कभाषा
 - (3) तर्क संग्रह
 - (4) तत्त्व चिन्तामणि
38. "जहाँ-जहाँ धुआँ है वहाँ-वहाँ आग है" के उदाहरण में अग्नि है
- (1) पक्ष
 - (2) हेतु
 - (3) साध्य
 - (4) पक्ष धर्मी
39. जो परोक्ष अर्थ (साध्य) का बोध कराता है उसे कहते हैं
- (1) हेतु
 - (2) लिंगी
 - (3) व्याप्ति
 - (4) पक्ष

35. According to Indian ethics, the Purusartha that included in political values are
- (1) Arathā and Kāmā
 - (2) Dharma, Arathā and Kāmā
 - (3) Dharmā and Arathā
 - (4) Dharmā, Aratha, Kāmā and Mokshā
36. Arthāpatti (implication) is an independent means of valid knowledge because
- (1) Vedas so desire.
 - (2) it gives the knowledge of negation (Abhāva).
 - (3) it reconciles two apparently inconsistent perceived facts.
 - (4) similarity between two objects can only be known by it.
37. 'Paksh' is defined as 'Sandigdha Sadhyadharma Dharmi Paksh' in
- (1) Advaitsiddhi
 - (2) Tark Bhasa
 - (3) Tark Sangrah
 - (4) Tattva Chintamani
38. In example of "wherever there is smoke there is fire", fire is
- (1) Paksh
 - (2) Hetu
 - (3) Sadhya
 - (4) Paksh Dharmi
39. The indicator of indirect object (Sadhya) is called
- (1) Hetu
 - (2) Lingi
 - (3) Vyapti
 - (4) Paksh



40. किस दर्शन ने 'अन्यथानुपन्नत्व' को हेतु का लक्षण माना है ?

- (1) चार्वाक
- (2) जैन
- (3) बौद्ध
- (4) मीमांसा

41. सम्यग्व्यायाम का तात्पर्य है :

- (1) सुस्वास्थ्य के लिए सही व्यायाम
- (2) अशुभ विचारों को मन से हटाने के लिए सही प्रयत्न
- (3) शारीरिक शक्ति संवर्द्धन के लिए सही प्रयत्न
- (4) मानसिक योग्यता संवर्द्धन के लिए सही प्रयत्न

42. वैशेषिक दर्शन के अनुसार सामान्य (जाति) की सत्ता है क्योंकि

- (1) सत् (की सत्ता) मनस पर आधारित है ।
- (2) समानता के प्रत्यय का कोई स्वतन्त्र कारण होना चाहिए ।
- (3) यह ब्रह्म में अवस्थित है ।
- (4) यह शब्द प्रमाण पर आधारित है ।

43. कालातीत हेत्वाभास का अन्य क्या नाम है ?

- (1) प्रकरणसम
- (2) बाधित
- (3) साध्यसम
- (4) असिद्ध

44. शब्द गुण है, चूँकि वह दृश्य है - इसमें दोष है

- (1) स्वरूप सिद्ध
- (2) आश्रयासिद्ध
- (3) साध्य-विशेषणासिद्ध
- (4) सोपाधिक

40. Which of the following system acknowledge 'Ananytha-Anupanatva' as a characteristic of Hetu ?

- (1) Charvaka
- (2) Jain
- (3) Bauddha
- (4) Mimamsa

41. The meaning of Samyagvyāyāma is

- (1) Right exercise for good health.
- (2) Right effort to withdraw from evil thought.
- (3) Right effort to increase physical strength.
- (4) Right effort to increase mental ability.

42. According to Vaisheshika Universal (Jati) exists because

- (1) Reality is mind dependent.
- (2) There should be an independent cause of the motion of commonness (class essence).
- (3) It resides in Brahman.
- (4) It is based on testimony.

43. Synonyms of 'Kalatit Hetvabhasa' is

- (1) Prakaransam
- (2) Badhit
- (3) Sadhyasam
- (4) Asidha

44. 'Word is a quality, for it is visible' has a fallacy of

- (1) Svarupasidh
- (2) Ashrayasidh
- (3) Sadhya-vishesanasidh
- (4) Sopadhik

45. नागार्जुन ने हेत्वाभास के कितने प्रकार स्वीकार किए हैं ?
- (1) पाँच
 - (2) छः
 - (3) सात
 - (4) आठ
46. सांख्य दर्शन के अनुसार अनेक पुरुष है क्योंकि
- (1) जगत् में अनेक वस्तुएँ हैं ।
 - (2) भिन्न-भिन्न व्यक्तियों के जन्म-मृत्यु, ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों में स्पष्ट अन्तर पाया जाता है ।
 - (3) प्रकृति जड़ है ।
 - (4) इनमें से कोई नहीं
47. 'धर्म' का वैदिक विचार, रूपान्तरण है
- (1) ऋत का
 - (2) सत्य का
 - (3) इन दोनों का
 - (4) इनमें से किसी का नहीं
48. किस संहिता में कहा गया है - 'ऋत् की पृथ्वी, अंतरिक्ष, घुलोर, दिशाओं व स्वर्गलोक में सभी स्थानों पर विजय होती है' ?
- (1) वाजसेनी
 - (2) तैत्तिरीय
 - (3) शुक्ल
 - (4) गौपथ
49. किसमें कहा गया है - 'मैं अनृत से सत्य को प्राप्त करूँ' ?
- (1) ऋग्वेद
 - (2) यजुर्वेद
 - (3) सामवेद
 - (4) अथर्ववेद

45. Types of Hetvabhas acknowledged by Nagarjuna are
- (1) Five
 - (2) Six
 - (3) Seven
 - (4) Eight
46. According to Sāmkhya philosophy there are many selves (purush) because
- (1) There are many objects in the world.
 - (2) There is a difference in birth-death, sensory and motor endoments of different individuals.
 - (3) Prakriti is unconscious.
 - (4) None of these.
47. The Vedic idea of 'Dharma' is transformation of
- (1) Rta
 - (2) Satya
 - (3) Both of these
 - (4) None of these
48. Which scripture states - 'Rta is victorious in every place on Earth, Space, Zodiac, Directions and Heaven' ?
- (1) Vaajseni
 - (2) Tettiriya
 - (3) Shukla
 - (4) Gaupath
49. 'I wish to discover Truth from Anrit' is stated in
- (1) Rigveda
 - (2) Yajurveda
 - (3) Samveda
 - (4) Atharvaveda



50. वेदों में 'धियस्पति' कहा गया है

- (1) शुभ का रक्षक
- (2) सत्य का रक्षक
- (3) भूमि का रक्षक
- (4) ये सभी

51. 'ऋषि-ऋण' से उऋण होने के लिए किस 'आश्रम' में प्रवेश की आज्ञा दी गई है ?

- (1) ब्रह्मचर्य
- (2) गृहस्थ
- (3) वानप्रस्थ
- (4) संन्यास

52. किस ग्रंथ के अनुसार केवल 'ब्राह्मणों' पर ही 'तीन ऋणों' को स्वीकार किया गया है ?

- (1) गौपथ ब्राह्मण
- (2) शतपथ ब्राह्मण
- (3) मनुस्मृति
- (4) याज्ञवल्क्य स्मृति

53. किस ग्रन्थ के अनुसार 'जन्म से प्रत्येक व्यक्ति शूद्र होता है' ?

- (1) गीता
- (2) मनुस्मृति
- (3) कठोपनिषद्
- (4) ईशावास्योपनिषद्

54. किस समकालीन विचारक के अनुसार, 'गीता कर्मों से संन्यास की नहीं, अपितु कर्मों में संन्यास की शिक्षा देती है' ?

- (1) गांधी
- (2) अरविन्द
- (3) राधाकृष्णन
- (4) विवेकानंद

50. In Vedas 'Dhiyaspati' is

- (1) Guardian of Good
- (2) Guardian of Truth
- (3) Guardian of the Earth
- (4) All of these

51. To be unindebted from 'Rishi-Rna' the entry in which 'Ashram' is commanded ?

- (1) Brahmcharya
- (2) Grishasth
- (3) Vanprasth
- (4) Samnyas

52. Only 'Brahamins' are indebted by the 'Three Rna' according to

- (1) Gaupath Brahman
- (2) Shatpath Brahman
- (3) Manusmriti
- (4) Yajnyvalkya Smriti

53. Which scripture holds the view that 'everybody is a shudra, by birth' ?

- (1) Gita
- (2) Manusmriti
- (3) Kathopanishad
- (4) Ishavasyopanishad

54. Which contemporary thinker suggests that - 'Gita teaches not Samnyas from Actions, but Samnyas in Actions' ?

- (1) Gandhi
- (2) Aurobindo
- (3) Radhakrishnan
- (4) Vivekananda

55. कर्म के लिए प्रेरित करने वाला पुरुषार्थ है
- (1) धर्म
 - (2) अर्थ
 - (3) काम
 - (4) ये सभी
56. 'प्रवृत्ति और निवृत्ति' का समन्वय इस ग्रन्थ में मिलता है
- (1) गीता
 - (2) विष्णु पुराण
 - (3) गरुड़ पुराण
 - (4) वाजसनेयी संहिता
57. न्याय वास्तववादी (या यथार्थवादी) दार्शनिक तंत्र है क्योंकि इसके अनुसार
- (1) मोक्ष जीवन का अन्तिम (चरम) लक्ष्य है।
 - (2) केवल वेद ही सर्वोत्तम है।
 - (3) सभी ज्ञान एवं अनुभव से स्वतंत्र जगत् की वस्तुओं की अपनी स्वतंत्रता सत्ता है।
 - (4) ईश्वर सभी वस्तुओं का सृष्टा है।
58. वेदों का वह भाग जो अज्ञात अर्थों का ज्ञान करवाता है, कहलाता है -
- (1) विधि
 - (2) निषेध
 - (3) विकल्प
 - (4) ख्याति
59. वाक्यांश 'योग-क्षेम' में 'क्षेम' का तात्पर्य है
- (1) प्राप्ति
 - (2) क्षमा
 - (3) प्राप्त की संरक्षा
 - (4) उदात्तता

55. The Purusartha to motivate for action is
- (1) Dharma
 - (2) Artha
 - (3) Kaam
 - (4) All of these
56. The co-ordination of 'Pravritti and Nivritti' is found in
- (1) Gita
 - (2) Vishnu Puran
 - (3) Garud Puran
 - (4) Vaajsaneyi Samhita
57. Nyāya is a realistic philosophy because it holds that
- (1) liberation is the ultimate aim of life.
 - (2) only Vedas are supreme.
 - (3) the objects of world have an independent existence of their own apart from all knowledge and experience.
 - (4) god is the creator of everything.
58. The part of Vedas which enlighten the unknown objects is, called
- (1) Vidhi
 - (2) Nisedh
 - (3) Vikalpa
 - (4) Khyati
59. In the phrase 'Yog-Kshema', the term 'Kshema' means
- (1) Attainment
 - (2) Forgiveness
 - (3) Preservation of the attained
 - (4) Excellence



60. 'श्रेय मार्ग' को चुनने वाले व्यक्तियों की प्रेरणा है

- (1) योग-क्षेम
- (2) विवेक
- (3) सुख
- (4) अभ्युदय

61. गीता के अनुसार 'स्वधर्म' के निर्धारण का आधार है

- (1) वर्ण
- (2) आश्रम
- (3) पुरुषार्थ
- (4) वर्णाश्रम

62. गीता के अनुसार ईश्वर-रचित 'वर्णव्यवस्था' का आधार है

- (1) गुण और कर्म
- (2) जन्म
- (3) प्रेय
- (4) श्रेय

63. बौद्धमत में कर्म का प्रकार निम्न में से कौन सा नहीं है ?

- (1) कायिक
- (2) वाचिक
- (3) भाव
- (4) मानसिक

64. निम्न में से किस विचार में भौतिक व आध्यात्मिक सुख, दोनों को महत्त्व प्रदान किया गया है ?

- (1) पुरुषार्थ
- (2) आश्रम
- (3) यम व नियम
- (4) योग

60. The persons, who choose the 'Shreya-marg' are motivated by

- (1) Yog-kshema
- (2) Vivek
- (3) Pleasure
- (4) Abhyudaya

61. According to Gita, 'Swadharma' is determined on the basis of

- (1) Varna
- (2) Aashrama
- (3) Purusartha
- (4) Varna-Aashrama

62. According to Gita, God created 'Varna-system' on the basis of

- (1) Guna and Karma
- (2) Birth
- (3) Preya
- (4) Shreya

63. In Buddhism, which of the following is not a type of Karma ?

- (1) Kayik
- (2) Vachik
- (3) Bhaav
- (4) Maansik

64. In which of the following motion, physical and spiritual pleasures both are given importance ?

- (1) Purusartha
- (2) Ashrama
- (3) Yama and Niyama
- (4) Yoga

65. "धारणाद्-धर्मित्याहु, धर्मोधारयते प्रजाः" किसके द्वारा कहा गया है ?

- (1) जैमिनि
- (2) मनु
- (3) वेदव्यास
- (4) वाल्मिकी

66. योग-दर्शन में व्यक्ति के बाह्य आचरण पर नियंत्रण किसके द्वारा किया जाता है ?

- (1) यम
- (2) नियम
- (3) धारणा
- (4) ध्यान

67. जैन दर्शन में 'सम्यक-चरित्र' का आधार है

- (1) अहिंसा
- (2) अस्तेय
- (3) सत्य
- (4) अपरिग्रह

68. निम्न में से कौन सा बुद्ध के अष्टांगिक-मार्ग का अंग नहीं है ?

- (1) सम्यक् दृष्टि
- (2) सम्यक् दर्शन
- (3) सम्यक् आजीव
- (4) सम्यक् संकल्प

69. बौद्धमत में साधक की योग्यतानुसार साधनों का उपयोग व खोज, कहलाती है

- (1) ब्रह्म-विहार
- (2) आगम
- (3) पारमिता
- (4) उपाय-कौशल्य

65. 'Dhaarnad-dharmityahu, Dharmodharyate praja' is stated by

- (1) Jaimini
- (2) Manu
- (3) Vedvyasa
- (4) Valmiki

66. In the system of yoga, the external conduct of a person is controlled by

- (1) Yama
- (2) Niyama
- (3) Dhaarana
- (4) Dhyaan

67. The base of 'Samyak-Charitra' (right conduct) in Jainism is

- (1) Non-violence
- (2) Non-stealing
- (3) Truth
- (4) Non-possession

68. Which one of the following is not a part of the eight fold path of Buddha ?

- (1) Samyak Dristi
- (2) Samyak Darshan
- (3) Samyak Aajiva
- (4) Samyak Sankalp

69. In Buddhism, the use and discovery of means according to the eligibility of the seeker is called

- (1) Brahma-Vihar
- (2) Aagam
- (3) Parmita
- (4) Upaya-kaushalya



70. ब्रह्म-विहार में सुख से अवियोग कराने की भावना है

- (1) मैत्री
- (2) करुणा
- (3) मुदिता
- (4) उपेक्षा

71. समकालीन भारतीय दर्शन का प्रारंभ किसके साथ माना जाता है ?

- (1) स्वामी दयानंद
- (2) राधाकृष्णन
- (3) गांधी
- (4) राजा राममोहन राय

72. स्वतंत्रता के पश्चात्, भारत में सबसे प्रबल दार्शनिक धारा रही है ?

- (1) प्रत्ययवाद
- (2) अनुभववाद
- (3) भौतिकवाद
- (4) विश्लेषणात्मक

73. किसके अनुसार, 'वेदान्त बहुत्व में एकत्व की शिक्षा देता है' ?

- (1) रामकृष्ण
- (2) विवेकानंद
- (3) गांधी
- (4) टैगोर

74. विवेकानंद के अनुसार 'माया' है

- (1) विशुद्ध विज्ञानवाद
- (2) विशुद्ध वस्तुवाद
- (3) आभासवाद
- (4) घटनाओं का वर्णन

70. The feeling to attach non-gratification with pleasure in Brahma-Vihar is

- (1) Maitri
- (2) Karuna
- (3) Mudita
- (4) Upeksha

71. Contemporary Indian Philosophy is considered to begin with

- (1) Swami Dayananda
- (2) Radhakrishnan
- (3) Gandhi
- (4) Raja Ram Mohan Roy

72. After independence, the most powerful philosophical system in India, has been

- (1) Idealism
- (2) Empericism
- (3) Materialism
- (4) Analytical

73. According to whom, 'Vedanta teaches unity in plurality'

- (1) Ramakrishna
- (2) Vivekananda
- (3) Gandhi
- (4) Tagore

74. In view of Vivekananda, 'Maya' is

- (1) Pure Idealism
- (2) Pure Materialism
- (3) Abhasvaad
- (4) Description of events

75. विवेकानंद के अनुसार 'सार्वभौमधर्म' का मूलमंत्र है

- (1) सहिष्णुता
- (2) अहिंसा
- (3) स्वीकृति
- (4) अबोधता

76. अरविन्द ने विकास प्रक्रिया को किसकी विपरीत प्रक्रिया कहा है ?

- (1) अवतरण
- (2) आरोहण
- (3) प्रति-विकास
- (4) उत्थान

77. सत्ता के उच्चतर व निम्नतर स्तरों के बीच की अवस्था, अरविन्द के अनुसार है

- (1) मानस (मनस)
- (2) अतिमानस
- (3) उच्चतर मानस
- (4) प्रदीप्त मानस

78. अरविन्द ने आंतरिक योग के कितने सोपानों की चर्चा की है ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

79. राधाकृष्णन का आदर्शवाद है

- (1) प्रयोजनवादी
- (2) यंत्रवादी
- (3) भौतिकवादी
- (4) रहस्यवादी

75. The keyword for 'Universal religion', according to Vivekananda is

- (1) Tolerance
- (2) Non-violence
- (3) Acceptance
- (4) Ignorance

76. Aurobindo describes the process of Evolution is opposite to the process of

- (1) Avataran
- (2) Arohan
- (3) Prati-Vikas
- (4) Utthan

77. The middle level between the higher and the lower level of Existence, according to Aurobindo is

- (1) Mind
- (2) Super-mind
- (3) Higher-mind
- (4) Illuminated-mind

78. The levels of internal yoga, discussed by Aurobindo are

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

79. Idealism of Radhakrishnan is

- (1) Pragmatic
- (2) Mechanical
- (3) Materialistic
- (4) Mystic

80. राधाकृष्णन ने सत् के ज्ञान की प्राप्ति के कितने साधन स्वीकार किए हैं ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

81. राधाकृष्णन के अनुसार, 'अंतःप्रज्ञा' में समाहित है

- (1) स्वयंसिद्धता
- (2) स्वप्रकाशता
- (3) स्वचेतना
- (4) ये सभी

82. गांधी की दृष्टि में, इनमें से कौन 'पहाड़ों से भी प्राचीन है' ?

- (1) सत्य और अहिंसा
- (2) ईश्वर
- (3) प्रकृति
- (4) पुरुष

83. गांधी मानते हैं कि 'सत्याग्रह' द्वारा विरोधी के _____ में परिवर्तन किया जा सकता है।

- (1) शरीर
- (2) बुद्धि
- (3) भावनाओं
- (4) हृदय

84. गांधी ने आधुनिक सभ्यता की आलोचना अपनी पुस्तक _____ में की है।

- (1) हिन्द-स्वराज
- (2) सत्य के साथ मेरे प्रयोग
- (3) आर्ट ऑफ लिविंग
- (4) मेरी अहिंसा

80. How many means of attaining knowledge of reality is accepted by Radhakrishnan ?

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

81. According to Radhakrishnan, 'Intuition' includes

- (1) Self-evidence
- (2) Self-illuminating
- (3) Self-consciousness
- (4) All of these

82. In Gandhian view, which of these is 'older than mountains' ?

- (1) Truth and Non-violence
- (2) God
- (3) Nature
- (4) Purusha

83. Gandhi holds that, 'Satyagraha transforms opponents _____'

- (1) Body
- (2) Reason
- (3) Feelings
- (4) Heart

84. Gandhi criticises modern civilisation in his book

- (1) Hind-Swaraj
- (2) My Experiments with Truth
- (3) Art of Living
- (4) My Non-Violence

85. के.सी. भट्टाचार्य के अनुसार 'सैद्धान्तिक चेतना' के स्तर हैं

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

86. के.सी. भट्टाचार्य की दृष्टि में 'विषयी' का संबंध है

- (1) विज्ञान-दर्शन से
- (2) आत्म-दर्शन से
- (3) चित्त-दर्शन से
- (4) विषय-दर्शन से

87. निम्न में से 'नव-बौद्धवादी' है :

- (1) गांधी
- (2) टैगोर
- (3) बी.आर. अम्बेडकर
- (4) विनोबा भावे

88. निम्न पुस्तकों में कौन सी, बी.आर. अम्बेडकर द्वारा लिखित नहीं है ?

- (1) जाति का विनाश
- (2) पाकिस्तान पर विचार
- (3) शूद्र - कौन और कैसे ?
- (4) बुद्ध-वाणी

89. 'न्यू ऑरियेन्टेशन' के लेखक हैं

- (1) के.सी. भट्टाचार्य
- (2) एम.एन. राय
- (3) जे. कृष्णामूर्ति
- (4) डी.पी. चट्टोपाध्याय

85. According to K.C. Bhattacharya, how many levels are there of 'Theoretic consciousness' ?

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

86. In K.C. Bhattacharya's view, 'Subject' is related to

- (1) The knowledge of Ideas
- (2) The knowledge of Self
- (3) The knowledge of Chitta
- (4) The knowledge of Objects

87. Which of the following is Neo-Buddhist ?

- (1) Gandhi
- (2) Tagore
- (3) B.R. Ambedkar
- (4) Vinoba Bhave

88. Which of the following books is not authored by B.R. Ambedkar ?

- (1) Destruction of Caste
- (2) Thoughts on Pakistan
- (3) Shudra - who and how ?
- (4) Buddh - Vaani

89. 'New orientation' is written by

- (1) K.C. Bhattacharya
- (2) M.N. Roy
- (3) J. Krishnamurti
- (4) D.P. Chattopadhyay



90. 'इंडियन मैटेरियलिज्म' पुस्तक के लेखक हैं

- (1) एम.एन. राय
- (2) डी.पी. चट्टोपाध्याय
- (3) इकबाल
- (4) एम.जी. रानाडे

91. निम्न में से किस विचारक के दर्शन पर मार्क्सवादी दृष्टिकोण प्रभावी है ?

- (1) रानाडे
- (2) एम.एन. राय
- (3) डी.पी. चट्टोपाध्याय
- (4) गांधी

92. निम्न में से कौन सी पुस्तक जे. कृष्णामूर्ति द्वारा लिखित नहीं है ?

- (1) फ्रीडम फ्रॉम द नॉन
- (2) द वण्डर ऑफ लाइफ
- (3) हॉलनेस ऑफ लाइफ
- (4) इनमें से कोई नहीं

93. किसके अनुसार 'दर्शन भौतिकवाद' है ?

- (1) रानाडे
- (2) एम.एन. राय
- (3) के.सी. भट्टाचार्य
- (4) बी.आर. अम्बेडकर

94. एम.एन. राय मनुष्य को मानते हैं

- (1) स्वार्थी
- (2) ईश्वरोन्मुख
- (3) दोनों (1) और (2)
- (4) इनमें से कोई नहीं

90. The author of the book 'Indian Materialism' is

- (1) M.N. Roy
- (2) D.P. Chattopadhyay
- (3) Iqbal
- (4) M.G. Ranade

91. Which of the following thinkers is influenced by Marxism ?

- (1) Ranade
- (2) M.N. Roy
- (3) D.P. Chattopadhyay
- (4) Gandhi

92. Which of these books is not written by J. Krishnamurti ?

- (1) Freedom from the Known
- (2) The Wonder of Life
- (3) Wholeness of Life
- (4) None of these

93. Who said 'Philosophy is materialism' ?

- (1) Ranade
- (2) M.N. Roy
- (3) K.C. Bhattacharya
- (4) B.R. Ambedkar

94. M.N. Roy describes man as

- (1) Selfish
- (2) God oriented
- (3) Both (1) & (2)
- (4) None of these

95. सच्ची स्वतंत्रता को जे. कृष्णामूर्ति क्या स्वीकार करते हैं ?

- (1) नवीन स्वरूप
- (2) परम सत्ता
- (3) स्वयं का स्वरूप
- (4) ज्ञान

96. रामानुज ब्रह्म, जीव व जगत में सम्बन्ध मानते हैं -

- (1) अभेद
- (2) स्वगत भेद
- (3) सजातीय भेद
- (4) विजातीय भेद

97. किसने 'परम ब्रह्म' को विष्णु कहा है ?

- (1) शंकर
- (2) माध्वाचार्य
- (3) वल्लभाचार्य
- (4) चैतन्य महाप्रभु

98. शंकर के अनुसार ईश्वर हैं जगत का

- (1) सृष्टा
- (2) पालक
- (3) संहारक
- (4) ये सभी

99. शंकर के अनुसार माया विशिष्ट शक्ति है

- (1) ईश्वर की
- (2) ब्रह्म की
- (3) जीव की
- (4) इन सभी की

95. The real freedom, according to J. Krishnamurthy

- (1) New Form
- (2) Absolute existence
- (3) Self
- (4) Knowledge

96. Ramanuja holds that the relation between Brahman, Jiva and Jagat is

- (1) Abheda
- (2) Svagat-bheda
- (3) Sajatiya-bheda
- (4) Vijatiya-bheda

97. 'Param Brahman' is described as 'Vishnu' by

- (1) Shankar
- (2) Madhvacharya
- (3) Vallabhacharya
- (4) Chaitanya Mahaprabhu

98. Shankar holds that Ishwar is world's

- (1) Creator
- (2) Guardian
- (3) Destroyer
- (4) All of these

99. Shankar describe 'Maya' as the special power of

- (1) Ishwar
- (2) Brahman
- (3) Jiva
- (4) All of these



100. रामानुज ने 'माया' की कौन सी आपत्ति नहीं उठायी है ?

- (1) आश्रयानुपपत्ति
- (2) स्वरूपानुपपत्ति
- (3) विरोधानुपपत्ति
- (4) प्रमाणानुपपत्ति

101. उपनिषदों के अनुसार 'आत्मा' की विशुद्ध अवस्था है

- (1) जाग्रत
- (2) स्वप्न
- (3) सुषुप्ति
- (4) तुरीय

102. आत्मा मूलतः 'अचेतन है' मानने वाला भारतीय दर्शन संप्रदाय है

- (1) जैन
- (2) चार्वाक
- (3) सांख्य
- (4) वेदान्त

103. जैन दर्शन में 'अर्थ-नय' कितने माने गए हैं ?

- (1) दो
- (2) तीन
- (3) चार
- (4) पाँच

104. 'इसके होने पर उसका होना' निम्न में से किस मत का मूल आधार है ?

- (1) बौद्ध प्रतीत्य समुत्पाद
- (2) जैन सप्तभंगी नय
- (3) न्याय असत्कार्यवाद
- (4) वेदान्तीय विवर्तवाद

105. सांख्य में प्रकृति-पुरुष सम्बन्ध है

- (1) तादात्म्य
- (2) प्रयोजनात्मक
- (3) संयोग
- (4) समवाय

100. Which objection was not raised against 'Maya' by Ramanuja ?

- (1) Ashrayanupapatti
- (2) Svarupanupapatti
- (3) Virodhanupapatti
- (4) Pramananupapatti

101. According to Upanisada the purist state of soul or atma is

- (1) Awakening State
- (2) Dreaming State
- (3) Dreamless deep sleep
- (4) Turiya or beyond deep sleep

102. Which system of Indian philosophy propounds that soul is primarily unconscious ?

- (1) Jain
- (2) Charvaka
- (3) Samkhya
- (4) Vedanta

103. Types of 'Arth-Naya' in Jainism are

- (1) Two
- (2) Three
- (3) Four
- (4) Five

104. 'If this exists that exists' – is the fundamental basis of which doctrine ?

- (1) Bauddha Pratitya Samutpada
- (2) Jain Saptabhangi Naya
- (3) Nyaya Asatkaryavada
- (4) Vedantic Vivartavada

105. Purush-Prakriti relation in Samkhya is of

- (1) Tadatmya
- (2) Teleological
- (3) Samyoga
- (4) Samavaya

106. किस दार्शनिक ने 'शब्द' को द्रव्य स्वीकार किया है ?

- (1) कुमारिल
- (2) कपिल
- (3) कणाद
- (4) गौतम

107. योग दर्शन में योगियों के कितने प्रकार स्वीकार किये हैं ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

108. किसने मोक्ष की अवस्था को आनन्द रहित स्वीकार किया है ?

- (1) निम्बार्क
- (2) रामानुज
- (3) गौतम
- (4) शंकर

109. निम्न में से कौन सी सांख्य में 'प्रकृति विकृति' है ?

- (1) मूल प्रकृति
- (2) अहंकार
- (3) आकाश
- (4) पुरुष

110. वैशेषिक के अनुसार परमाणुओं में पाया जाता है

- (1) संख्यात्मक भेद, गुणात्मक अभेद
- (2) संख्यात्मक भेद, गुणात्मक भेद
- (3) दोनों में अभेद
- (4) संख्यात्मक अभेद, गुणात्मक भेद

106. Which thinker considers 'Shabda' as 'Dravya' ?

- (1) Kumaril
- (2) Kapil
- (3) Kanaada
- (4) Gautam

107. In yoga system, the classes of yogis are

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

108. Who describes 'Moksha' as a state without pleasure ?

- (1) Nimbārka
- (2) Ramanuja
- (3) Gautam
- (4) Shankar

109. Which of the following is 'Prakriti-Vikriti' in Samkhya ?

- (1) Mula-Prakriti
- (2) Ahamkara
- (3) Aakash
- (4) Purush

110. According to Vaishesika, Parmanus (Atom) have

- (1) Difference in quantity, uniformity in quality.
- (2) Difference in quantity, difference in quality.
- (3) Uniformity in both.
- (4) Uniformity in quantity, difference in quality.

111. कौन सा दर्शन आत्मा को देहपरिमाणी स्वीकार करता है ?

- (1) चार्वाक
- (2) जैन
- (3) मीमांसा
- (4) विशिष्टाद्वैत

112. मोक्ष हेतु पुष्टिमार्ग का समर्थन किसने किया है ?

- (1) रामानुज
- (2) माध्वाचार्य
- (3) वल्लभ
- (4) भास्कराचार्य

113. परमाणुओं में पित्त-पाक प्रक्रिया को कौन स्वीकार करता है ?

- (1) न्याय
- (2) वैशेषिक
- (3) मीमांसा
- (4) वेदान्त

114. न्याय दर्शन में किसे पदार्थ नहीं माना गया है ?

- (1) प्रमाण
- (2) तर्क
- (3) प्रामाण्य
- (4) शब्द

115. जैन मत के अनुसार आत्मा का

- (1) बन्धन सादि व सांत है और मोक्ष भी सादि व सांत है ।
- (2) बन्धन अनादि व अनंत है और मोक्ष भी अनादि व अनंत है ।
- (3) बन्धन सादि व अनंत है और मोक्ष अनादि व सांत है ।
- (4) बन्धन अनादि व सांत है और मोक्ष सादि व अनंत है ।

111. Deh-Parimani Atama is supported by

- (1) Charvaka
- (2) Jainism
- (3) Mimansa
- (4) Vishisthadvaita

112. To attain Moksha 'Pushti marg' is suggested by

- (1) Ramanuja
- (2) Madhavacharya
- (3) Vallabha
- (4) Bhaskaracharya

113. Pittar-Pak process in Atoms is supported by

- (1) Nyaya
- (2) Vaishesika
- (3) Mimansa
- (4) Vedanta

114. Which of the following is not a 'Padartha' in Nyaya ?

- (1) Pramana
- (2) Tark
- (3) Pramanya
- (4) Shabda

115. According to Jain philosophy soul is

- (1) Bondage is with a beginning and end and Moksha is also with a beginning and end.
- (2) Bondage is beginningless and endless, and Moksha or Libration is also beginningless and endless.
- (3) Bondage is with beginning and endless, and liberation is beginningless and with an end.
- (4) Bondage is beginningless and with an end and liberation is with beginning and endless.

116. "कारण में कार्य अव्यक्त रूप में रहता है और बाह्य कारण से कार्य की उत्पत्ति वास्तविक है।" ये मत मान्य है -

- (1) बौद्ध व न्याय सम्प्रदाय को
- (2) मीमांसा व जैन मत को
- (3) चार्वाक व वेदान्त मत को
- (4) सांख्य व योग मत को

117. योग दर्शन में ईश्वर विश्व का

- (1) केवल उपादान कारण है।
- (2) निमित्त व उपादान दोनों कारण है।
- (3) केवल निमित्त कारण है।
- (4) इनमें से कोई नहीं

118. ब्रह्म, जीव व जगत में पंच भेद को स्वीकार किया है -

- (1) शंकर
- (2) रामानुज
- (3) भास्कराचार्य
- (4) माध्वाचार्य

119. शंकर वेदान्त के प्रस्थानत्रयी में नहीं है

- (1) ब्रह्म-सूत्र
- (2) उपनिषद्
- (3) गीता
- (4) श्रीमद्भागवत

120. कौन सा दर्शन देहात्मवाद को मानता है ?

- (1) चार्वाक
- (2) बौद्ध
- (3) मीमांसा
- (4) शैव

116. The effect is latent in the cause and the effect is real transformation of cause. This view is acceptable to

- (1) Bauddha and Nyaya schools
- (2) Mimansa and Jain schools
- (3) Charvaka and Vedanta schools
- (4) Sankhya and Yoga schools

117. According to Yoga philosophy, God is _____ of the universe.

- (1) Only material cause.
- (2) Both material and efficient cause.
- (3) Only efficient cause.
- (4) None of these.

118. Who acknowledges five type of differences among Brahman, Jiva and Jagat ?

- (1) Shankar
- (2) Ramanuja
- (3) Bhaskaracharya
- (4) Madhvacharya

119. Prasthan-Trayi of Shankar Vedanta does not include

- (1) Brahman-Sutra
- (2) Upnishadas
- (3) Geeta
- (4) Shrimad-Bhagwat

120. The system which supports 'Dehatmavada' is

- (1) Charvaka
- (2) Buddhism
- (3) Mimamsa
- (4) Shaiva

121. नासदीय सुक्त में अव्यक्त चेतन शक्ति को क्या कहा गया है ?

- (1) पुरुष
- (2) इन्द्र
- (3) असत्त
- (4) तपस

122. "जैसे पृथ्वी से औषधियाँ निकलती हैं या शरीर से रोये निकलते हैं वैसे ही अविनाशी ब्रह्म से सब उत्पन्न होता है" लिखा है -

- (1) छान्दोग्य उपनिषद् में
- (2) मुण्डक उपनिषद् में
- (3) तैत्तिरीय उपनिषद् में
- (4) कठोपनिषद् में

123. आरण्यकों में ब्रह्म के कितने स्वरूप कहे गये हैं ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

124. गीता में किस तत्त्व को प्रधान तत्त्व स्वीकार किया गया है ?

- (1) प्रकृति
- (2) परा-प्रकृति
- (3) अपरा-प्रकृति
- (4) पुरुषोत्तम

125. जैन दर्शन में 'शब्द' किस द्रव्य का परिणाम माना गया है ?

- (1) आकाश
- (2) पुद्गल
- (3) दिक्
- (4) काल

121. In 'Nasdiya-Sukta', latent conscious energy is called

- (1) Purusa
- (2) Indra
- (3) Asatta
- (4) Tapas

122. 'Like as vegetables grow from the earth or hair grows from a body everything evolves from the 'Avinashi-Brahman' is described in which of the following Upanisada ?

- (1) Chhandogya Upanisada
- (2) Mundaka Upanisada
- (3) Tettiriya Upanisada
- (4) Kathopanisada

123. How many forms of Brahma described in Aaranyaka ?

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

124. Which is the key element in Geeta ?

- (1) Prakriti
- (2) Para-Prakriti
- (3) Aparas-Prakriti
- (4) Purusottam

125. In Jainism, 'Shabda' is a product of

- (1) Ether
- (2) Pudgala
- (3) Space
- (4) Time

126. वैशेषिक दर्शन में नित्य द्रव्य स्वीकार किया गया है

- (1) पृथ्वी परमाणु
- (2) आकाश
- (3) अग्नि-परमाणु
- (4) ये सभी

127. योगाचारों को विज्ञानवादी भी कहा जाता है क्योंकि उनका मानना है कि

- (1) चेतना के अतिरिक्त सभी धर्म असत् है।
- (2) वस्तुओं का अध्ययन वैज्ञानिक पद्धति से किया जाना चाहिए।
- (3) अनुमान ही ज्ञान का एकमात्र प्रमाण है।
- (4) बाह्य वस्तुएँ क्षणिक हैं।

128. किस दार्शनिक के अनुसार बुद्ध ने नित्य आत्मा को स्वीकार किया है ?

- (1) इकबाल
- (2) गांधी
- (3) विवेकानन्द
- (4) राधाकृष्णन

129. सांख्य-दर्शन में 'ज्ञ' किसे कहा गया है ?

- (1) प्रकृति
- (2) पुरुष
- (3) व्यक्त
- (4) महत्

130. कारणता के सिद्धान्त को मूल रूप से कितने वर्गों में बाँटा गया है ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

126. In Vaishesika 'Nitya-Dravya' are

- (1) Earth atoms
- (2) Aakash
- (3) Fire-atoms
- (4) All of these

127. Yogāchārs are also known as Vijñānavādins (idealists) because they believe that

- (1) all dharmās except consciousness are unreal.
- (2) objects should be studied scientifically.
- (3) ultimate source of knowledge is inference.
- (4) external objects are momentary.

128. Which thinker holds that Buddha accepts 'Nitya-Atman' ?

- (1) Iqbal
- (2) Gandhi
- (3) Vivekananda
- (4) Radhakrishnan

129. What is 'Jnā', in Sankhya ?

- (1) Prakriti
- (2) Purush
- (3) Vyakta
- (4) Mahat

130. Theories of causation are basically classified into group(s)

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

131. न्याय के अनुसार धागों के बीच का संबंध कपड़े का _____ है।

- (1) निमित्त कारण
- (2) समवायी कारण
- (3) असमवायी कारण
- (4) लक्ष्य कारण

132. निम्न में से कौन सा युग्म सत्कार्यवाद के परिणामवाद का समर्थक है ?

- (1) सांख्य-विशिष्टाद्वैत
- (2) न्याय-सांख्य
- (3) सांख्य-शंकर
- (4) न्याय-वैशेषिक

133. सांख्य में दुःख का वस्तुगत प्रकार कहलाता है :

- (1) आध्यात्मिक दुःख
- (2) आधिभौतिक दुःख
- (3) आधिदैविक दुःख
- (4) ये सभी

134. कौन से दर्शन में 'ईश्वर-प्रणिधान' को मोक्ष प्राप्ति का साधन माना गया है ?

- (1) न्याय
- (2) विशिष्टाद्वैत
- (3) योग दर्शन
- (4) अद्वैत-वेदान्त

135. मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक हेतु 'षट् सम्पत्ति' को आवश्यक किसने माना है ?

- (1) शंकर
- (2) सांख्य
- (3) पतंजलि
- (4) गौतम

131. In Nyaya, relation among threads is _____ of cloth

- (1) Nimitta cause
- (2) Samavaayi cause
- (3) Asamavaayi cause
- (4) Lakshya cause

132. Which of the following pair supports 'Parinam-vada' of Satkaryavada ?

- (1) Samkhya – Vishishtadvait
- (2) Nyaya – Samkhya
- (3) Samkhya – Shankar
- (4) Nyaya – Vaisheshika

133. In Samkhya, material form of sufferings is

- (1) Adhyatmika Dukh
- (2) Adhibhautik Dukh
- (3) Adhidaivik Dukh
- (4) All of these

134. 'Ishwar-Pranidhan' is accepted as a way to attain 'Moksha' by the schools of

- (1) Nyaya
- (2) Vishishtadvaita
- (3) Yoga
- (4) Advaita-Vedanta

135. 'Shat-Sampati' is necessary for 'Moksh' is accepted by

- (1) Shankara
- (2) Samkhya
- (3) Patanjali
- (4) Gautam

136. रामानुज ने मूर्ति में प्रकट ईश्वर को ईश्वर का कौन सा रूप कहा है ?

- (1) व्यूह
- (2) विभव
- (3) अर्चावतार
- (4) प्रकट

137. उदयन ने किस ग्रंथ में ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण दिये हैं ?

- (1) न्याय कुसुमांजलि
- (2) न्यायवार्तिक
- (3) न्याय सूत्र
- (4) तर्कभाषा

138. शंकर के अनुसार ईश्वर सत्ता के किस स्तर का विषय है ?

- (1) पारमार्थिक
- (2) व्यावहारिक
- (3) प्रातिभासिक
- (4) इनमें से कोई नहीं

139. जब किसी वस्तु का संयोग किसी अन्य वस्तु के माध्यम से होता है उसे कहते हैं

- (1) उभय कर्मज
- (2) कर्मज
- (3) संयोग
- (4) प्रतिसंयोगज

140. निम्न में 'अयुतसिद्ध' संबंध कौन सा है ?

- (1) सामान्य व व्यक्ति
- (2) द्रव्य व गुण
- (3) अवयव व अवयवी
- (4) ये सभी

136. According to Ramanuja the form of God represented in an Idol.

- (1) Vyuh
- (2) Vibhav
- (3) Archavatar
- (4) Prakat

137. In which book Udayan presented the proofs for existence of god ?

- (1) Nyaya – Kusumanjali
- (2) Nyaya – Vartika
- (3) Nyaya – Sutra
- (4) Tark – Bhasa

138. Ishwar related to the level of existence, according to Shankar, is

- (1) Parmarthik
- (2) Vyavharik
- (3) Pratibhasik
- (4) None of these

139. Contact of a thing with other via another thing is called

- (1) Ubhay-Karmaj
- (2) Karmaj
- (3) Sanyoga
- (4) Prati Samyogej

140. Which of the following holds 'Ayut-sidh' relation ?

- (1) Universal – Individual
- (2) Dravya – Guna
- (3) Part – Whole
- (4) All of these

141. नित्य व अनित्य समवाय का भेद किसने माना है ?

- (1) प्रभाकर
- (2) कणाद
- (3) कुमारिल
- (4) प्रशस्तपाद

142. किसने काल को अनस्तिकाय द्रव्य बताया है ?

- (1) चार्वाक
- (2) जैन
- (3) बौद्ध
- (4) मीमांसा

143. जैन दर्शन आकाश के कितने भेद स्वीकार करते हैं ?

- (1) एक
- (2) दो
- (3) तीन
- (4) चार

144. चार्वाक दर्शन के अनुसार श्रुति (आप्तवाक्य) ज्ञान का प्रमाण नहीं है क्योंकि :

- (1) यह सुनने पर आधारित है ।
- (2) यह परोक्ष ज्ञान देती है ।
- (3) यह ऐसी सत्ताओं की चर्चा करती है जिन्हें इन्द्रिय-प्रत्यक्ष से प्रमाणित नहीं किया जा सकता (अर्थात् उनका प्रत्यक्ष असम्भव है)
- (4) यह विरोधी ज्ञान देती है ।

145. वैशेषिक दर्शन में 'दिक्' को माना है

- (1) द्रव्य
- (2) गुण
- (3) कर्म
- (4) संयोग

141. Classification of Samvayā in Nitya and Anitya is accepted by

- (1) Prabhakar
- (2) Kanaad
- (3) Kumaril
- (4) Prashastpaada

142. Kaal (Time) is anastikaya, according to

- (1) Charvaka
- (2) Jain
- (3) Bauddha
- (4) Mimansa

143. Jainism classifies Akash into group(s)

- (1) One
- (2) Two
- (3) Three
- (4) Four

144. According to Chārvāka Sruti (Testimony) is not a valid source of knowledge because

- (1) it is based on hearing.
- (2) it gives indirect knowledge.
- (3) it talks about such entities which can't be verified by sense perception (their perception is impossible).
- (4) it gives contradictory knowledge.

145. 'Dik' in Vaisheshika is a

- (1) Dravya
- (2) Guna
- (3) Karma
- (4) Samyoga

146. प्रशस्तपाद के अनुसार ज्ञान के दो प्रमुख प्रकार हैं

- (1) प्रमा व अप्रमा
- (2) विद्या व अविद्या
- (3) सम्यक व असम्यक
- (4) अनुभव व स्मृति

147. ज्ञान का भाव रूप व अभाव रूप में भेद कौन करता है ?

- (1) शंकर
- (2) कुमारिल
- (3) प्रभाकर
- (4) पंचशिखाचार्य

148. प्रभाकर ज्ञान को मानते हैं :

- (1) द्रव्य
- (2) गुण
- (3) आगन्तुक गुण
- (4) क्रिया

149. 'अविसंवादित्व' को प्रमा का लक्षण किसने स्वीकार किया है ?

- (1) धर्मकीर्ति
- (2) नागसेन
- (3) वसुबन्धु
- (4) दिग्नाग

150. कौन सा दर्शन अनधिगत, असंदिग्ध व अविपरीत' को प्रमा का लक्षण मानता है ?

- (1) जैन
- (2) बौद्ध
- (3) सांख्य
- (4) न्याय

146. According to Prashastapaad, two main types of knowledge are

- (1) Prama – Aprama
- (2) Vidya – Avidya
- (3) Samyak – Asamyaka
- (4) Anubhav – Smriti

147. Knowledge is divided into Bhav Roop and Abhav-Roop by

- (1) Shankara
- (2) Kumaril
- (3) Prabhakar
- (4) Panchshikhacharya

148. Prabhakar hold that knowledge is a

- (1) Dravya
- (2) Guna
- (3) Aagantuk guna
- (4) Kriya

149. Which thinker hold 'Avisamvadtva' as a characteristic of 'Prama' ?

- (1) Dharmkirti
- (2) Naagsen
- (3) Vasubandhu
- (4) Dingnaaga

150. Which philosophy accepts anadhigat, asandigdha and avipreet as characteristic of Prama ?

- (1) Jain
- (2) Bauddha
- (3) Samkhya
- (4) Nyaya

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

प्रश्न संख्या: 101
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 5 सेमी है।
 इस वृत्त की परिधि ज्ञात करें।
 उत्तर: परिधि = $2\pi r$
 $= 2 \times \frac{22}{7} \times 5$
 $= \frac{220}{7}$
 ≈ 31.43 सेमी

प्रश्न संख्या: 102
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 7 सेमी है।
 इस वृत्त की क्षेत्रफल ज्ञात करें।
 उत्तर: क्षेत्रफल = πr^2
 $= \frac{22}{7} \times 7^2$
 $= 154$ वर्ग सेमी

प्रश्न संख्या: 103
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 10 सेमी है।
 इस वृत्त की परिधि ज्ञात करें।
 उत्तर: परिधि = $2\pi r$
 $= 2 \times \frac{22}{7} \times 10$
 $= \frac{440}{7}$
 ≈ 62.86 सेमी

प्रश्न संख्या: 104
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 12 सेमी है।
 इस वृत्त की क्षेत्रफल ज्ञात करें।
 उत्तर: क्षेत्रफल = πr^2
 $= \frac{22}{7} \times 12^2$
 $= \frac{3168}{7}$
 ≈ 452.57 वर्ग सेमी

प्रश्न संख्या: 105
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 8 सेमी है।
 इस वृत्त की परिधि ज्ञात करें।
 उत्तर: परिधि = $2\pi r$
 $= 2 \times \frac{22}{7} \times 8$
 $= \frac{352}{7}$
 ≈ 50.29 सेमी

प्रश्न संख्या: 106
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 9 सेमी है।
 इस वृत्त की क्षेत्रफल ज्ञात करें।
 उत्तर: क्षेत्रफल = πr^2
 $= \frac{22}{7} \times 9^2$
 $= \frac{1782}{7}$
 ≈ 254.57 वर्ग सेमी

प्रश्न संख्या: 107
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 6 सेमी है।
 इस वृत्त की परिधि ज्ञात करें।
 उत्तर: परिधि = $2\pi r$
 $= 2 \times \frac{22}{7} \times 6$
 $= \frac{264}{7}$
 ≈ 37.71 सेमी

प्रश्न संख्या: 108
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 11 सेमी है।
 इस वृत्त की क्षेत्रफल ज्ञात करें।
 उत्तर: क्षेत्रफल = πr^2
 $= \frac{22}{7} \times 11^2$
 $= \frac{2682}{7}$
 ≈ 383.14 वर्ग सेमी

प्रश्न संख्या: 109
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 4 सेमी है।
 इस वृत्त की परिधि ज्ञात करें।
 उत्तर: परिधि = $2\pi r$
 $= 2 \times \frac{22}{7} \times 4$
 $= \frac{176}{7}$
 ≈ 25.14 सेमी

प्रश्न संख्या: 110
 प्रश्न: एक वृत्त की त्रिज्या 13 सेमी है।
 इस वृत्त की क्षेत्रफल ज्ञात करें।
 उत्तर: क्षेत्रफल = πr^2
 $= \frac{22}{7} \times 13^2$
 $= \frac{3772}{7}$
 ≈ 538.86 वर्ग सेमी

